www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

तुबारि

Issue - 095,
May. 2020

इस मेहने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड़्डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

क्र.	विषय सूची	पृ.
1	नोई भियाग	2
2	कथा तेनालीरामे	4
3	धिक सोचे	5
4	त फि कि (अपु मने विचार)	6
5	पढ़े त लिखे, अब्बल बोक	8
6	में पांगेई रेहणा सेहणा	9
7	दुई गल	10
8	मोरे खुर कुस्तुरे किस असे?	11
9	चुटकले	13
10	लखे टके बोक	14

नोई भियाग

यक ग्रां थिउ। तेठियाणी मेह्णु सुआ सधे साधे थिए। से पढ़ाई लिखाई केआं सुआ दूर थिए। तेन्के लिए काड़ा अक्षर भैस बराबर थिआ। तेस ग्रां धनपत नउए यक सोहुंकार थोड़ा भई पढ़ो थिआ। सोहुंकार तेन्के कमजोरी फाइदा उठाण लगो थिआ। बोलुण जे त से सोहुंकार थिआ, पर थिआ सुआ लालची। ग्रां बाड़ी के जरुरते टेम से तेन्के घर जिमि गिरवी रख कइ सुआ ब्याज पुठ रकम उधार देन्ताथ। झूठी पढ़ी लिखि कागजी पुठ से तेन्हि केआं अंगुठ लोवांताथ। यक लिंगि उधार नेण केआं पता ग्रां बाड़े उमर भई तसे कर्जदार बण घेन्तेथ।

तेस ग्रां यक सज्जन सिंह नउए मेह्णु बि थिआ। तसे यक मठड़ ईं राशने दुकान थी। से थोड़ा हिसाब किताब करण जाणताथ। से ईमानदारी जुओई अपु टबरे धारण पारण कर कइ खुश थिआ। पढ़ो लिखो भुणे बझई जोई से धनपते काड़ी करतुत जाणताथ।

यक रोज तेन ग्रांए सरपंच केईं घेई कइ धनपत सोहुंकारे बारे बोलु। पर सरपंच अपफ बि धनपते बेईमानी जुओई बराबर हेस्सेदार थिआ। तेन सज्जन सिंहे बोके शुणी अणशुणी कइ छेई। थकि हारी कइ सज्जन सिंह जिला मुख्याधिकारी केईं गा। तेन तेस केईं घेई कइ बोलु "श्रीमान जी! ग्राए सरपंच त धनपत सोहुंकार मिई कइ भोड़े भाड़े

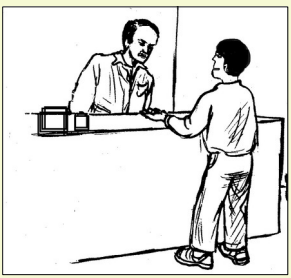

अनपढ़ ग्रां बाड़ी लूटण लगो असे। से दुहे जेईं दन रात आमीर भुन्ते गो असे, पर गरीब ग्रां बाड़ी अपु पेठ भरुण मुश्किल भोई गो असु। तेन्के सोब कमाई सोहुंकारे असल भरणे अन्तर खत्म भोई घेन्ती। अनपढ़ ग्रां बाड़े मजबूरी अन्तर झूठी पढ़ी लिखि कागजी पुठ अंगुठ लाई छते।" मुख्याधिकारी सज्जन सिंहे बोके ध्यान जुओई शुणी।

विषय सूची

तेन मठे अपु दुई अफसर धनपत सोहुंकारे त सरपंचे जांच पड़ताड़ करण जे लंघे। अफसरी जांच पड़ताड़ कर कइ बोलु कि सज्जन सिंहे सोब बोके सच्ची थी। मुख्याधिकारी झठ दुहि के शिकेत पुलिस बाड़ी जे की। पुलिस बाड़ी दुहे जेईं टाई कइ नी छड़े, त अदालत अन्तर तेन्के पेशी लुवाई। तोउं दुहे कनरी बोके शुणण केआं पता जजे फैसला शुणा। धनपत सोहुंकार त सरपंचे ग्रां बाड़ी जुओई धोखा त बेईमानी कियो असी। बेईमानी जुओई खाओ पैसा ग्रां बाड़ी के धे वापस देणे बोलु त से दुहे जेईं जेल अन्तर छइ छड़े।

जजे फैसले हेर सज्जन सिंह त ग्रा बाड़े सुआ खुश थिए। अब मुख्याधिकारी बोलु कि जिले हरेक ग्रा गभुरु जे स्कूल खोलण त बुढी पढ़ाण जे बि झठ झठ जगाइ इन्तजाम करण। ईं शुण कइ सज्जन सिंहे हैरान भोई कइ पुछु, "श्रीमान जी, अपराधी सजाह त मेई गई। अब गभुरु जे स्कूल त बुढी पढ़ाण जे जगाई इन्तजाम कर कइ की फाईदा। मुख्याधिकारी हस कइ बताऊ, "सज्जन सिंहा, तु जाणता कि ज्यादा से ज्यादा ग्रांए सोब मेह्णु अनपढ़ त सधे साधे भुन्ते।

धनपत सोहुकार त सरपंच सजाह देणे बेलि समस्या खत्म न भुन्ती। अनपढ़ ग्रां बाड़ी कोई बि धनपते ईं लालची त बेईमान सोहुंकार ठगी सकता। तोउं त ग्रांए गभुरु त बुढी पढ़ूण जरुरी असु। सज्जन सिंहे खुश भोई कइ बोलु, "श्रीमान जी, ए त तुसी सुआ दूरे सोचो असु। अस सोब ग्रां बाड़े तु एस दाह हमेशा याद रखते।" "ए दया न भुओ, में फर्ज भुओ। एईए ना, मेईं अपु बोड़ी अफसरी केईं ग्रांए भेएड़ ग्रामीण बैंक खोलणे अरजी दुतो असी। ईं भुणे बेलि ग्रां बाड़े कर्ज नेण जे सोहुंकारी के जाल अन्तर न फसते। ईं शुण कइ सज्जन सिंह सुआ खुश भोई गा। अब तसे ग्रा अन्तर कोई जेईं अनपढ़ न रेहन्ता। सोब पढ़े लिखे भुन्ते। ए यक नोई भियाग ईं पूरे ग्रां खुशी बइ भरी छांती।"

तोउं त तुस बि अपु गभुरु पढ़ाई लिखाई कइ तेन्के टिर सारे करे, ना त सहुकारे ईं तेन्हि बी कोउं लुठि छांता।

विषय सूची

कथा तेनलीरामे

बीजापुरे सुल्तान इस्माईल आदिलशाह डर थिआ कि राजा कृष्णदेव राय अपु राज्य रायचूर त मदकल वापस नेणे लिए असी पुठ हमला कता। तेनि शुणी रखो थिउ कि तीं राजे अपु बधरी बेलि कोडीवडु, कोंडपल्ली, उदयगिरि, रंगपत्तिनम, उमत्तूर त शिवसमुद्रम जीत छओ थिए। सुल्ताने सोचु कि इन्हि दुई शेहरी बचाणे यके उपया असा कि राजा कृष्णदेव राय मारवाई छऊं। तेन सुआ ईनामी लालच दी कइ तेनालीराम जुओई पढ़णेबाड़ा पुराणा साथी त तसे मामे रिश्तेदार कनकराजू एस कम करवाण जे मनाई छड़े। कनकराजू तेनालीरामे गी पुजा। तेनालीरामे अपु मतर खुले दिल जुओई आ बश कियु। तेन से अपु गी बशाण त तसे खरी खातीरदारी की।

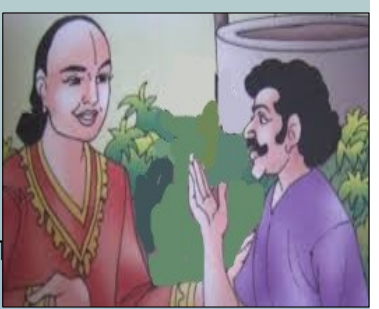

यक रोज जपल तेनालीराम कैसे कमे लिए गीहा बाहरी गो थिआ त कनकराजू राजे जे तेनालीरामे कनारा खबर दिती, “तुस अभेईए में गी एईए त अउं तुसी यक ईं अब्बल चीज हरालता, जे तुसी जिन्दगी भई कदी नेई काओ।” राजा बगैर हथियारे तेनालीरामे गी पुजा। अजगता कनकराजू तेस पुठ छुरे बइ दी कीढी। छुरे बइ लगण केआं पेहला ईं राजे कनकराजू हथ कशी कइ टाई छड़ा। तसे टेम राजे सपाई के अफसरे कनकराजू टाई छड़ा त तेठि से मारी छड़ा। कानूने मुताविक, राजे मारणे कोशिश करणे बाड़ी, जे अपु गी रखताथ, तेस मौती सजाह मेतीथ।

विषय सूची

तेनालीराम बि मौती सजाह मेई। तेन दया करण जे राजे केआं अपु प्राणी के भीख मगी। पर राजे बोलु, "अउं राज्य नियमे खिलाफ घेई कइ तोउ माफ न कइ सकता। तेईं से दुष्ट मेह्णु अपु गी रखा। फि तु मोउं केआं कीं कइ माफी उम्मीद रख सकता? ऑ, ईं भोई सकतु कि तु अपफ फैसला कर, तोउं केस किस्मी मौत लौती।" तेनलीरामे बोलु, "महाराज, मोउं स्याणी कइ मौत लौती।" तेठि सोब जेईं हैरान भोई गे,किस कि कैदी अखिर इच्छा त पुरा करीण असी। राजे बोलु, 'इस फेर बि बची गा, तेनालीरामा तु।'

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

धिक सोचे

राकसिणि मोसी भुण

ढेबु ढडुड़ करूण

गुले फिउड़ फटाण

जंघि बेही आग देण

बगे फसल त पेटे गभुर, कैसे जे गुखिन्तु नाओ

ढिएड़ी केउ भूण

विषय सूची

त फि कि (अपु मने विचार)

केहि लिंगि इन्सान ईं हालत अन्तर भुन्ता कि तसे मुँह केआं अपणे आप निस घेन्तु, 'त फि कि?' ए शब्द बोलुण जे कतो सुखते असे, पर एन्हि शब्दी के मतलब हरेक हालत अन्तर कीं बदलींते रेहंते, ए इठि लिखो असु।

यक ई बोउ सुआ मेहनत जुओई अपु गभुरु पाड़ते। तेस खरे पढ़ाण जे कर्जा बि नेन्ते। जपल पढ़ लिख कइ से किछ बण घेन्ता त सचे बि तसे ई बोउ खुश भोई घेन्ते। पर केहि लिंगि गभुर अतु मतलबी भोई घेन्तु कि ईया बोउ तेस याद दियांते कि तेन्हि कीं कष्ट, दुख तकलीफ सेहि कइ, इधौरिया ओधौरिया कर्जा नी कइ से पढ़ा त गभुरु अगरा बोतु "त फि कि? ए त तुं जिम्मेवारी थी। तुसी अउं जमाणा। मोउं पढ़ाणे लिखाणे त केसे खरे जगाई पुजाणे तुं जिम्मेवारी थी। अब तुं जिम्मवारी खत्म भोई गई। अउं अपफ कमाण लग गा। अब तुस अपफ अपु पेट पाड़े। अउं अपु त अपु जुएली गभुरु समता।"

होर कना यक गभुरु ईं असु जेस ई बोउ सुआ टचारा कइ रखते, पर अपु हालती बझई जुओई तेस पुठ सुआ खर्चा कइ न सकते। जपल से पढ़ लिख कइ किछ कमाणे लेएक बण घेन्ता त अपु पूरी कमाई आण्ह कइ ईए बोउए हाथ पुठ रखी छता,

विषय सूची

त ई बोउ बोते, “कोईया, तु ए सोब किछ अपफ केईं रख। पुरे घरे खर्चा पाणि अपफ समी दे। असी त तें लिए किछ कइ न बटू त ना करणे लेख असे। समझदार गभुरु अगरा ईया बोउ जे बोता कि “तूसी में लिए कीं किछ न किऊ। आज किछ बि असा, तु बझई अशुश बेलि ईं असा। मोउं टयारा कर कइ न होर न मोउं पढ़ान्तेथ त लेएक न बणताथ। ए कृपा त दाह दयाई बेलि भुओ असु।” ईं शुण कइ तसे ई बोउ बोते, “त फि कि? ए त हें जिम्मवारी थी।”

एन्हि दुहि हालात अन्तर शब्द, ‘त फि कि?’ इस्तेमाल भुओ असा, पर दुहि अन्तर धरती आसमाने फरक असा। पेहले हालात अन्तर गभुरु मतलबी भोई गो असु, जेस अन्तर ईए बोउए अपु सोब किछ अपु गभुरु लिए लुटाई छऊ त बदले अन्तर गभुरु से दुरेरी छड़े। दोके हालात अन्तर गभुरु ईए बोउए लिए अपु अपफ ऋणी समझता त तेन्के सेवा कर कइ पूरी जिन्दगी जीण चाहांता।

ईहांणि आजकण समाजे ढांचे हेर कइ जरुरत असी कि जेठि ई बोउ तन मन धन जुओई अपु गभुरु के भारण पोषण कते, तेठि गभुरु बि हमेशा अपु ईए बोउए ऋणी भोई कइ जिन्दगी जीण चाहिए। होर अपु ई बोउ टयारे कर कइ रखण त पूरी इज्जत देण चाहिए। ए तोउं भुन्तु, अगर गभुरु खरे संगत अन्तर बिश्ते।

विषय सूची

पढ़े त लिखे

लिखे किछ, पढ़े किछ नऊ, असु सुआ गोलमाल।

ओखु भुन्तु सुआ, तेन्हि अन्तर शुणे कमाल।

भाषा लिपि अपफ छड़ दी कइ, पर असी कोढ़ी चाह।

अपु आप जेस अन्तर न भोल, तेस पुठ कोढ़ी वाह वाह।

बिसरी छते यक रोज अस, पेहले अपु पिछाण।

अणजाण बण घेन्ते, अपणे गी श्री मान जी।

अपु अपफ जे बिसरता, तसे किछ वजूद नेई।

भुन्ति तरक्की सोब, बत शुन्नी त मुश्किल।

इन्हि बोकी पुठ गौर कर, टा तु सही बत।

अपु भाषा लिपि लिए, किछ त परवाह कर।

अब्बल बोके

इन्सान भुन्ता, प्यार करण जे!

पैसा भुन्ता खरे कम अन्तर इस्तेमाल करण जे!

पर, मेह्णु प्यार पैसे जुओई कते।

होर इस्तेमाल इन्सान कते।

से दन सुआ अब्बल थिए,

घड़ी सिर्फ यक जेई केई भुन्तीथ,

त टेम सोबी केई थिआ।

अब घड़ी सोबी केई असी, पर टेम केसे केई नेई।

विषय सूची

में पांगेई रहेणा सहेणा

जोजी टिंपि कइ लिखुण, जीं यक मेजुर बोता, में हथे सिक्की के छड़कुण जीं यक जिमदार सोगिहुए त जौउए सियूड़ के शड़कोण जीं बागा आओ यक जिल्हाणु समझी घेन्ति घिन्ति। घुरेई त ढोंसी घमकोण जुकारु मनांते इस फेर अब रंग बिटि।

पर उडरती उडरती ईं खबर आओ असी कि फाटे सोबी केआं बोडी चोटी पुठ सतहो हछे घोड़े आज हैरान भोई गो असे। चन्नी पलकी अन्तर सुन्ने झिणे डबो यकदम तियार बिशो असु दीस, आज त सुआ उतोड़ी बुशो असु दीस। से चाहांतु गलेजे बइ बाहरी निस कइ चन्द्रभागा दरियोए ओत बिशुण।

तेस पता असा कि ही राति जोसण केआं उन्नी एई गो असी, से शंठ पुठ बुशो बुढी यक हथ चदूर बुणुण केआं पता, से चाहांती अब रामे नउ जापूण। जोजी टिंपि कइ लिखु त तेस पुठ टीकू के दीस जोसण त तारे लेऊ। जोजी मगरी पुठ सजाई कइ घुरेई लेऊ, जुकरु बुच।

हियुंते मेहन पुन्टो गो घुगी, बरशाड़े मेहन टैघूं वापस पेठ आई। से घीत लाण लग गो असी, हियुत पुन्टो घिऊं, बाश टेघूं घिऊं।

विषय सूची

फुल्लयाटी तिएस शल कुकिड़ि हाथ अन्तर नचण लगो असी। पर कोओ उडार घेई गई सिक्की के शड़कोण, कारखानी केआं गी तकर पुजते पुजते चुप भोई गई गिहुए जौउए सियुडु के शड़कोण, बागा शकार अन्तर घेन्ते घेन्ते।

चुप भोई गई घिती घुरेईं के लियरी हुशरी, बगा लहड़ी पुठ तकर एन्ते एन्ते। होर देश अन्तर एई गई यक **बी**मारी तिहार घेन्ते घेन्ते, कि सरकारे बोल छऊ यक होरी जोई न मिए, चेड़ी चखुरु खुश असे कि जोसण पुठ फि नजर एण लगे, सोबी अपु से पुराणे दन। समोझी बिशे तु छाने किए।

दुई गल

- जे पढ़ण जुएई परेम रखता, से ज्ञान जुएई बि परेम रखता, पर जे मेह्णु बोडी के डराण घमकाण जुएई बैर रखता, से जानवरे ईं असा।

- भले मेह्णु हेर त परमेश्वर खुश भुन्ता, पर बुरु करणे बाड़ी से दोषी ठहेरांता।

- कोई बि दुष्ट मेह्णु यक जगाई ना टगता, पर धर्मी मेह्णु के जड़ ना उखड़ींती

- भली जिल्हाणु अपु धाणि मुकुट भो, पर जे नगन्हे या लज्जीणे कम कती त तुस मने कि जी से अपणेरी हलोटे शड़णे बझह बणती।

विषय सूची

मोरे खुर कुस्तरे किस असे?

बोक सुआ पुराणी भो। जपल मोरे खुर तसेरे ईं अब्बल थिए। तेस अपु अब्बल भुण पुठ तीं घमण्ड थिआ। से सोबी चड़ी चखुरु पुठ लेचेरताथ कि तसे ईं सुआ अब्बल पखूरु इस दुनिए अन्तर होर कोई नेई। कुदरते तसे धे मगरी केआं खुरी तकर अब्बल भुणे वर दुतो असा।

यक लिंगि मोरी के सुआ ड़हर यक खुहे पुठ पुओणी पीण जे गा। खुहे होर कना यक घणे बुटे पढे यक सधु बाबा तपस्या करण अन्तर मस्त थिआ। तसे भेएड़े ईं यक कीड़ा मुकुड़ू खड़ कर कइ सधु बाबे डासण जे तियार थिआ।

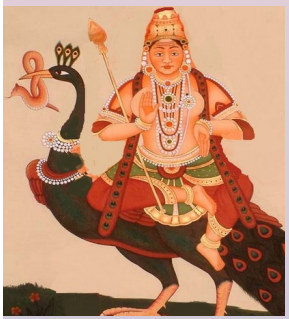

तिखेईं मोरी के राजा चित्रगुप्ते तेस हेरु। तेन धिक भइ बि चेरे न लाऊ, तेन उडरी कइ कीड़ा ठुंगिया लाई छड़ा। चेरे तकर दुहि जेईं अपफ बुच खरी भुई। पता मोरे ठुंगियाई ठुंगियाई कइ कीड़ा मार छड़ा। अपल तकर सधु बाबे ध्यान बि टूटी गो थिआ। से सोब माजरा समझी गा।

सधु बाबे खुश भोई कइ चित्रगुप्त केआं वर मगण जे बोलु। चित्रगुप्ते अपु साथि जुओई बोक विचार किआ त फि सधु बाबे जे बोलु- “ए महात्मा, असी अपु खुर तीं टयारे असे। अगर तुस वर देण चाहांते त ईं दिए कि हें खुर सुन्ने भोई घिएल।” सधु बाबे बोलु, “ठीक असु।” फि तेन चेरे तकर अपु टीर बुदी रखे त किछ मनटे बाद ईं सोबी मोरी के खुर सुन्ने बणी गे।

मोरी अपु टीरी पुठ विश्वास न थिआ भुण लगो। तेन्के खुबसुरती हऊ बि सुआ बधी गो थी। सुआ खुश भुणे बझई जुओई मोरी के खुर भीं धरती पुठ टगण लगोरे नेओथ। एसे खुशी जुओई से सधु बाबे धन्यवाद करुण बि बिसरी गे।

विषय सूची

तोउं अजागता मेघे लगण लगी। ईं हेर कइ मोर मस्त भोई कइ नाचण लगे। तेन्हि सधु बाबे ध्याने न रिहा। से नाचण अन्तर मस्त भोई गे कि तेन्के खुरी के बेलि उछड़ता खाए छिठि सधु बाबे मुँहं पुठ झड़ी।

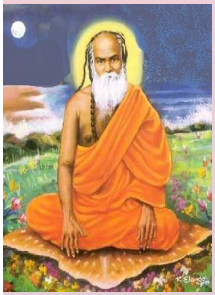

सधु बाबे लेहर एई गई त बोलु, "तुसी में सुआ बेज्जती कइ छड़ी, मेईं तुं खुबसुरती बधाई कइ तुसी सुआ इज्जत दिती त तुसी मोउंए पुठ खाए छिटि फटाई कइ मेंढेरी बेज्जती की ना? अउं तुसी श्राप देन्ता कि इसे टेम तुं खुर अतो कुस्तरे लोते भुओ कि तुस एन्हि हेर कइ रोलते लोते रिहो।"

होर तिखेईंए तिहांणी भोई गऊ त सोबी मोरी के खुर कुस्तरे भोई गे। मोरी अपु गलती एहसास भोई गा। से सधु बाबे केआं माफी मगण लगे त श्राप वापस नेण जे छनेआरे करण लगे। पर सधु बाबे श्राप कमान केआं निसो तीरे ईं थिआ। आज बि अम्मर अन्तर नसो वदेई हेर कइ जति खुशी मोरी भुन्ती, तेस केआं ज्यादा दुख तेस अपु कुस्तरे खुर हेर कइ भुन्ता। मोर उदास भोई कइ रोलण लग घेन्ता।

कथाई सचाई जे बि भोल पर ई सचु असु कि अपु केसे बि खरे चीजी घमण्ड अन्तर अतो मस्त न भुण कि अपु मर्यादा ईं भुल घिएल।

गिहा नसते टेम यक लिगिं जरुर ई सोचे कि मजबुरी असी कि हें जिंदगी कियां ज्यादा जरुरी असु

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनजाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेईं।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंधे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकला

मस्टर- वैलेंटाइने उमला मतलब कि भुन्ता?
गभुरु- "क्वॉरेंटाइन"
मास्टर- से कीं?
गभुरु- वैलेंटाइन अन्तर दुई जेईं चिपकी कइ बिशते। त क्वॉरेंटाइन अन्तर दूर दुर बिशते।

पुलिसबाड़ा यक जिल्हाणु जे:- यक त तेईं अपु धाणि मारी छड़ा, होर फि अपु बचाव करण चाहन्ती। अउं तें बचाव कतेई न कता।
जिल्हणु:- हजूर रेहम करे,अउं रनि रुवाणी भुओ।

लखे टके बोक

1 जेस गी कुई जमती, तेस गीहे राजा भुन्ता। किस कि परी पाड़णे औकात हर केसेरी न भुन्ती।

कति नाजूक भुन्ती कुई, बंगे टूट घियाल त रोली रोली कइ पूरा घर कंथ कोड़ी लाई छती।
दिल टूट घियाल त समाहड़ी बिशो ईया पता लगण न देन्ती।
धिक भइ हथ कटि घियल त पूरा घर सेवा करण जे खड़ा कइ छती।
आत्मा दुखी के बेलि छीनि घियल त उफ तकर बि न कती।
अगर अपु मन पसंदी सूट न मेईयाल त तिहार तकर बि न मनान्ती।
होर यक ना पसंद इन्सान जुओई ईए बोउए खुशीए लिए अपु पूरी जिन्दगी गुजारी छती।

2 भरोसा त प्यार दुहे ई पखुरु भींथ, अगर एन्हि अन्तरा यक जेईं उडीर घिएल त दोका अपणे आप उडीर घेन्तु।

झूठ बि बोलुण एन्तु, सच बि नियोकाण एन्तु। जिन्दगी जीण जे हरेक बथ अपणाण एन्ती।

शरीफ मेहणु जीण कोठि देन्ते, कदी कदी बुरे बि बण घेण एन्तु।

ई जिन्दगी भुओ जनाब, इठि दुख दर्द बि नियोकइ कइ हसुण एन्तु।

विषय सूची